

---

# Shri Nrisimhasarasvati Prarthana Ashtakam

श्रीनृसिंहसरस्वतीप्रार्थनाष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Shri Nrisimhasarasvati Prarthana Ashtakam

File name : nRRisiMhasarasvatIprArthanAShTakam.itx

Category : dattatreya, deities\_misc, vAsudevAnanda-sarasvatI, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : vAsudevAnandasarasvatI TembesvAmi

Description-comments : From stotrAdisangraha

Latest update : May 12, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 12, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

Shri Nrisimhasarasvati Prarthana Ashtakam

श्रीनृसिंहसरस्वतीप्रार्थनाष्टकम्



ऋतकृत्वगिरोऽमरोऽभवद् द्विजपत्न्यास्तनयोऽपि योऽभवः ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ १ ॥

प्रणवं प्रपपाठ जन्मतो विजडाराव्यधशोऽपि सन्मतः ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ २ ॥

मृतविप्रसुतं व्यञ्जवयधे उ वन्ध्यामलिषीमदोडयत् ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ ३ ॥

स्वतनुं यतये व्यदर्शयद्-द्विजगर्वं बुरुडाद्व्यनाशयत् ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ ४ ॥

प्रददौ हि मृतप्रियस्त्रिया अपि सौभाग्यमु यन्नमस्त्रिया ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ ५ ॥

स्वमुटेऽभवदन्नवृद्धिदृत् सुवशायाऽपि वंशवृद्धिदृत् ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ ६ ॥

दुरकार्यपि शुष्कान्तः कुसुरौ येन शुची य कुष्ठतः ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ ७ ॥


अमराप्यपुरे य योगिनीवरदो योऽभिवदोऽस्ति योगिनीः ।  
स नृसिंहसरस्वती यतिर्भगवान् मेऽस्ति परा वरा गतिः ॥ ८ ॥

धति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितं श्रीनृसिंहसरस्वतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।



Shri Nrisimhasarasvati Prarthana Ashtakam

pdf was typeset on May 12, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

